

सकते हैं, नारी/मादा जंतु 3. उक्त मनुष्य की उपजाति विशेष या पशु-पक्षी-कीट आदि की उपजाति विशेष का कोई प्राणी 4. नारी के समान प्रजनन की विशेषता वाला पौधा, वृक्ष, लता आदि 5. भार्या, पत्नी, जोरू 6. पुलिंग और नपुंसकलिंग से भिन्न लिंग विशेष का सूचक।

स्त्रीकरण पुं. (तत्.) 1. स्त्री बनाना, पत्नी बनाना 2. संभोग, मैथुन।

स्त्रीकाम पुं. (तत्.) 1. स्त्री चाहने वाला व्यक्ति 2. पत्नी-प्राप्ति की इच्छा/कामना।

स्त्री कार्य पुं. (तत्.) 1. स्त्री का कार्य 2. स्त्रियोचित काम 3. अंतःपुर में नौकरी।

स्त्री क्षीर पुं. (तत्.) 1. माता का दूध 2. औरत का दूध।

स्त्री गमन पुं. (तत्.) स्त्री के साथ संभोग।

स्त्री गुरु पुं. (तत्.) 1. पुरोहित की पत्नी, पुरोहितनी 2. पुरोहिताई करने वाली स्त्री।

स्त्री ग्रह पुं. (तत्.) चंद्रमा और शुक्र नामक ग्रह।

स्त्रीघ्न वि. (तत्.) स्त्री की हत्या करने वाला।

स्त्री चंचल वि. (तत्.) 1. कामुक, कामी 2. लंपट।

स्त्री-चिह्न पुं. (तत्.) स्त्री होने का कोई भी चिह्न या लक्षण (स्तन, योनि आदि) कोई चिह्न या वे सभी चिह्न जिससे ज्ञात हो कि प्राणी/पौधा आदि स्त्री जाति का है।

स्त्री चोर पुं. (तत्.) 1. स्त्री चुराने वाला 2. स्त्री को बहकाकर ले जाने वाला।

स्त्री-जननी स्त्री. (तत्.) केवल लड़कियों को जन्म देने वाली स्त्री।

स्त्री जाति पुं. (तत्.) स्त्री वर्ग, स्त्री जाति।

स्त्रीजित वि. (तत्.) पत्नी को सदा प्रसन्न रखने में लगा रहने वाला व्यक्ति, पत्नी के कहने के अनुसार चलने वाला पुरुष, पत्नी का वशीभूत पुरुष, स्त्रैण पुरुष।

स्त्रीतंत्र पुं. (तत्.) ऐसा शासन या समाज-व्यवस्था जिसमें स्त्रियों का प्रभुत्व हो।

स्त्रीता स्त्री. (तत्.) स्त्रीत्व।

स्त्रीत्व पुं. (तत्.) 1. स्त्री होने की अवस्था, गुण, धर्म या भाव, औरतपन 2. गुण, धर्म आदि के विचार से स्त्रियों का-सा होने का भाव, जनानापन 3. शब्दों के अंत में लगने वाला स्त्रीलिंग का सूचक प्रत्यय।

स्त्री स्त्री/पुं. (तत्.) वह देश या राज्य जहाँ रानी राज्य करती हो और सभी प्रमुख राजनीतिक तथा सामाजिक अधिकार स्त्रियों के हाथ में हों, पुरुष के नहीं, स्त्री-राज्य।

स्त्री-देहादर्ध पुं. (तत्.) शिव जिनके आधे अंग में पार्वती का होना माना गया है।

स्त्री धन पुं. (तत्.) 1. स्त्री की निजी संपत्ति 2. स्त्री को विवाह के समय उपहार के रूप में मिलने वाला धन और संपत्ति जिस पर स्त्री का कानूनी अधिकार रहता है।

स्त्री धर्म पुं. (तत्.) 1. नारी का धर्म, कर्तव्य 2. पत्नी का धर्म, कर्तव्य 3. स्त्रियों से संबंधित नियम या विधान 4. रजस्वला होना, मासिक धर्म।

स्त्रीधर्मिणी स्त्री. (तत्.) रजस्वला अवस्था वाली स्त्री।

स्त्रीधूर्त पुं. (तत्.) स्त्री को छलने वाला पुरुष।

स्त्रीध्वज वि. (तत्.) जिसमें स्त्रियों के चिह्न हों, स्त्री के चिह्नों से युक्त।

स्त्रीपण्योपजीवी पुं. (तत्.) स्त्र्याजीव, वह पुरुष जो स्त्री या स्त्रियों की संपत्ति का भोग करता हो।

स्त्रीपर वि. (तत्.) कामुक, विषयी पुं. व्यभिचारी पुरुष।

स्त्री पुष्प पुं. (तत्.) स्त्री का रज।

स्त्री प्रत्यय पुं. (तत्.) स्त्रीवाचक प्रत्यय जैसे- 'पंडिताइन' और 'पंडितानी' में पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग बनाने वाले दो स्त्री प्रत्यय क्रमशः 'पंडित' में जुड़े हैं- 'आइन' और 'आनी'।